

बाल गंगाधर तिलक की 168वीं जयंती

स्रोत: पी.आई.बी

23 जुलाई को भारत ने बाल गंगाधर तिलक की जयंती मनाई तथा एक स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षावर्द्ध के रूप में उनकी वरिष्ठता का सम्मान किया।

■ व्यक्तिगत जीवन और विचारधारा:

- बाल गंगाधर तिलक का जन्म जुलाई 1856 में महाराष्ट्र के रत्नागरी में हुआ था और उन्हें भारतीय अशांतिके जनक की उपाधि दी गई थी।
- लोकमान्य तिलक पूर्ण स्वतंत्रता या स्वराज्य (स्व-शासन) के सबसे प्रारंभिक एवं सबसे मुखर प्रस्तावकों में से एक हैं।
- लाला लाजपत राय तथा बपिनि चंद्र पाल के साथ ये लाल-बाल-पाल की तिकड़ी (गरम दल/उग्रपंथी दल) का हिस्सा थे।

■ सूरत विभाजन, 1907:

- लेकिन रास बहिरी घोष के नरिवाचति होने पर इसका विभाजन हो गया।
- वर्ष 1907 में सूरत में हुए विभाजन के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National Congress- INC) उग्रवादी और उदारवादी दल में विभाजित हो गई। मुख्यतः बॉम्बे प्रेसीडेंसी के उग्रवादियों ने अध्यक्ष के पद के लिये तिलक या लाजपत राय का समर्थन किया।

■ शिक्षा में योगदान:

- तिलक डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक (वर्ष 1884) थे, इसके संस्थापक सदस्यों में गोपाल गणेश अगरकर और अन्य भी शामिल थे।
- इस सोसाइटी के माध्यम से तिलक ने वर्ष 1885 में पुणे में फर्ग्यूसन कॉलेज की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बाल गंगाधर तिलक

(23 जुलाई 1856 - 1 अगस्त 1920)

पूर्ण स्वतंत्रता या स्वराज्य के सबसे शुरुआती व सबसे
मुखर समर्थकों में से एक

संक्षिप्त विवरण

- ⊙ इन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है
- ⊙ महात्मा गांधी ने उन्हें "आधुनिक भारत का निर्माता" कहा था
- ⊙ शिक्षाविद: एक विपुल लेखक और पत्रकार
- ⊙ संबंधित संस्थान: डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी (1884) और फर्ग्युसन कॉलेज (1885)



सामाजिक और राजनीतिक योगदान

- ⊙ विचारधारा: एक धर्मनिष्ठ हिंदू; लोगों को जागृत करने के लिये हिंदू धर्मग्रंथों का उपयोग किया
- ⊙ कॉन्ग्रेस में भूमिका: 1890 में शामिल हुए; सूरत विभाजन (1907) में महत्वपूर्ण भूमिका - उग्रवादी सूरत अधिवेशन की अध्यक्षता करना चाहते थे
- ⊙ नारा: "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा!"
- ⊙ लाल-बाल-पाल तिकड़ी: लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल के साथ इन्होंने उग्रवादी समूह का नेतृत्व किया

स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

- ⊙ स्वदेशी आन्दोलन का प्रचार किया
- ⊙ एनी बेसेंट के साथ भारतीय होम रूल आंदोलन का नेतृत्व किया
- ⊙ अप्रैल 1916 में अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की

लखनऊ समझौता (1916) - राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिये तिलक की नेतृत्व वाली
कॉन्ग्रेस और जिन्ना की अध्यक्षता वाली अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के बीच हस्ताक्षरित

साहित्यिक कार्य

- ⊙ समाचार पत्र: "केसरी" (मराठी) और "द मराठा" (अंग्रेज़ी)
- ⊙ पुस्तकें: गीता रहस्य (उनकी प्रसिद्ध रचना) और द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाङ्ग



और पढ़ें: [बाल गंगाधर तिलक](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/168th-birth-anniversary-of-bal-gangadhar-tilak>